प्रधानमंत्री बांग्लादेश का दो दिवसीय दोरा क्यों महत्वपूर्ण है?

- 26 मार्च 1971 को शेख मुजीबुर रहमान ने पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 16 दिसंबर 1971 को भारत द्वारा पाकिस्तान की सेना का समर्पण करवाने के बाद पश्चिमी पाकिस्तान का दखल यहां समाप्त हुआ और बांग्लादेश एक नया और संप्रभु राष्ट्र बन गया। भारत ने सबसे पहले अपने पड़ोसी देश का स्वागत किया। इसी कारण हर साल 16 दिसंबर को बांग्लादेश विजय दिवस मनाता है।
- वर्ष 2021 में बांग्लादेश अपनी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है और दोनों देश अपने संबंधों की भी 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए भारत की 72वीं गणतंत्र दिवस परेड में बांग्लादेश सशास्त्र बलों **(Bangladesh Armed Forces)** के 122 सदस्यीय दल ने हिस्सा लिया। भारत के इतिहास में यह तीसरा अवसर था जब गणतंत्र दिवस परेड़ में किसी विदेशी सैन्य टुकड़ी ने हिस्सा लिया हो। वर्ष 2016 में फ्रांस के सैनिकों ने एवं वर्ष 2017 में संयुक्त अरब अमीरात की सेना ने हिस्सा लिया था।
- भारत और बांग्लादेश ने अपने संबंधों को इन 50 सालों में बहुत ही शानदार तरीके से आगे बढ़ाया है, यही कारण है कि भारत और बांग्लादेश के संबंध अन्य पड़ोसी देशों से बहुत अलग हैं। दोनों देशों के मध्य संबंधों को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं, जो निम्नलिखित हैं।
- सीमा संबंध प्रयास-
- भारत की सर्वाधिक लंबी सीमा (4096 किमी.) बांग्लादेश के साथ लगती है। इस सीमा का निर्धारण आजादी के समय पाकिस्तान के साथ हुआ था लेकिन बांग्लादेश ने आजाद होने के बाद भारत को यह आश्वासन दिया था कि इसकी भूमि और सीमा पर किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि नहीं होगी, जिससे दोनों देशों के संबंध प्रभावित हों। प्रमुख समझौते-
- 16 मई, 1974 को भूमि संबंधी समझौता- इसमें यह कहा गया था कि दोनों देश एक दूसरे के इलाकों (एनक्लेव) की अदला-बदली करेंगे। वर्ष 1975 में शेख मुजीब की हत्या हो जाने के बाद यह प्रक्रिया लंबे समय तक ठंडी पड़ गई।
- वर्ष 2011 में दोनों देशों के बीच समन्वित सीमा प्रबंधन योजना, पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत सीमा पार अवैध गतिविधियों और अपराधों की जांच करने, सीमा पर शांति बनाये रखने के लिए सीमा सुरक्षा बलों को समन्वित किये जाने पर सहमति बनी।
- वर्ष 2015 में 119वें संविधान संशोधन विधेयक को अनुमति प्रदान की गई, जिससे 1974 के लेंड बाउंड्री एग्रीमेंट को आगे बढ़ाया गया और एन्क्लेव की अदला-बदली सुनिश्चित की गई। 31 जुलाई, 2015 को भूभागीय मानचित्र पर हस्ताक्षर किये गये।
- रक्षा सहयोग-
- दोनों देश एक दूसरे को रक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए समय-समय पर सैन्य अभ्यास आयोजित करते हैं। मिलन **(MILAN)** नौ सेनिक अभ्यास है जबकि सम्प्रीति **(SAMPRITI)** संयुक्त सैन्य अभ्यास हैं।

- रक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच के संबंधों को चीन प्रभावित करता आया है। चीन और बांग्लादेश के बीच 2002 में ही रक्षा सहयोग का समझौता कर चुका है, जिसके तहत बांग्लादेश चीन से सैन्य साजो-सामान भी खरीद रहा है। चीन ने दो पनडुब्बियाँ भी बांग्लादेश को दी है।
- नदी संबंधी सहमति-
- भारत और बंग्लादेश के बीच 54 नदियाँ जल साझा करती हैं, जिसके लिए संयुक्त नदी आयोग **(Joint River Commission- JPC)** बनाया गया है। यह 1972 से ही कार्य कर रहा है, और समय-समय यह बैठक आयोजित करता है।
- द्विपक्षीय व्यापार-
- दोनों देशों के मध्य 1972 में पहला व्यापार समझौता हुआ था। दोनों के मध्य 2018-19 की अवधि में लगभग 10.43 बिलियन का व्यापार हुआ। भारत ने बांग्लादेश को 9.21 विलियन अमेरिकी डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया, जबकि बांग्लादेश ने 1.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर का। दोनों देशों के पास इसे बढ़ाने की व्यापक संभावना है।
- कनेक्टिविटी सहयोग-
- दोनों देशों हल्दीवाड़ी (भारत) और चिल्हाती (बांग्लादेश) के मध्य नये रेलवे लिंक का उद्घाटन किया है।
- कोलकाता, ढ़ाका और अगरतला तथा ढ़ाका, शिलांग और गुवाहटी के बीच बस सेवा शुरू की गई है।
- 9 मार्च को फेनी नदी पर एक पुल का उद्घाटन किया गया जो सीधे पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश से जोड़ता है। यह पुल भारत में सबरूम को बांग्लादेश के रामगढ़ को जोड़ता है। इसे मैत्री सेतु नाम दिया गया है।
- अन्य सहयोग-
  1. भारत-बांग्लादेश को 1600 मेगावाट बिजली का निर्यात करता है।
  2. बांग्लादेश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का समर्थन करता है।
3. दोनों देश **SAARC** और **BIMSTEC** का भाग हैं।
- प्रधानमंत्री का 2 दिवसीय बांग्लादेश दौरा-
- प्रधानमंत्री ने यात्रा से पहले बयान दिया कि- बाग्लादेश के साथ भारत के सांस्कृतिक, भाषाई और आपसी गहरे संबंध हैं।
- प्रधानमंत्री 26 मार्च को ढ़ाका के हजरत शाह जलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचे।
- प्रधानमंत्री ने सबसे पहले ढ़ाका स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम में शहीद हुए सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के याद में बनाया गया है। यह स्मारक ढ़ाका से 35 किसी दूर सावर में स्थित है।
- प्रधानमंत्री ने स्मारक परिसर में एक अर्जुन का पौधा भी लगाया।
- प्रधानमंत्री बांग्लादेश के विदेशी मंत्री डॉ. ए.के. अब्दुल मोमिन से मिले मुलाकता के दौरान दोनों देशों की संप्रभुता, समानता, परस्पर, विश्वास और समझदारी पर आधारित मुद्दों पर सहमती व्यक्त की।

- प्रधानमंत्री ने सामुदायिक नेताओं, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधि, बांग्लादेशी मुक्तिजोद्धा और फ्रेंडस ऑफ इंडिया एंड यूथ आइकन्स के प्रतिनिधि शामिल थे, से मुलाकात की।
- प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में 14 दलों वाले गठबंधन के नेताओं से मुलाकात किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री राजनीतिक दलों के विपक्षी नेताओं से मिले।
- प्रधानमंत्री बांग्लादेश के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम को संबंधित किया।
- प्रमुख तथ्य-

1. प्रधानमंत्री ने कहा- हम भारतवासियों के लिए गौरव की बात है कि हमें शेख मुजिबुर रहमान जी को गांधी शांति सम्मान देने का अवसर मिला।
2. प्रधानमंत्री ने कहा-मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैने और मेरे कई साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था।
3. **Operation Search Light** की उस क्रूरता, दमन और अत्याचार के विषय में विश्व में विश्व में उतनी चर्चा नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए थी।
4. बांग्लादेश के आजादी के 50 वर्ष और भारत और भारत की आजादी के 75 वर्ष का पड़ाव एक साथ ही आया है। हम दोनों के लिए 21वीं सदी के अगले 25 वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी साझा विरासत भी साझी है, हमारा विकास भी साझा है।
5. व्यापार और उद्योग में एक जैसी संभावनायें हैं तो आतंकवाद जैसे समान खतरे।

- प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ सुंयक्त रूप से बापू और बंगबंधु पर एक डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।